

स्वागत है

प्रशिक्षण प्रभाग ७ में ज़ल्दबाज़ी में निष्कर्ष पर पहुँचना ॥

ज़ल्दबाज़ी में निष्कर्ष

अक्सर हम बिना पूरा सच जाने ही निष्कर्ष निकल लेते हैं

➤ कारण/लाभ: ???

➤ हानि: ???

ज़ल्दबाज़ी में निष्कर्ष

अक्सर हम बिना पूरा सच जाने ही निष्कर्ष निकल लेते हैं

- कारण/लाभ: समय की बचत, सुरक्षा का अहसास, दूसरे को दृढ़-निश्चयी एवं सक्षम लगन, इसके अलावा यह सोच की 'एक गलत निर्णय लेना, निर्णय न लेने से अच्छा है' की भी भूमिका हो सकती है.
- हानि: ???

ज़ल्दबाज़ी में निष्कर्ष

अक्सर हम बिना पूरा सच जाने ही निष्कर्ष निकल लेते हैं

- कारण/लाभ: समय की बचत, सुरक्षा का अहसास, दूसरे को दृढ़-निश्चयी एवं सक्षम लगन, इसके अलावा यह सोच की 'एक गलत निर्णय लेना, निर्णय न लेने से अच्छा है' की भी भूमिका हो सकती है.
- हानि: एक गलत और खतरनाक निर्णय लेने का डर

ज़ल्दबाज़ी में निष्कर्ष पर पहुँचना

किन परिस्थितियों में हम बिना पूरा सच जाने निर्णय लेते हैं?

कब	उदाहरण
....जब सूचनाओं तक हमारी पहुँच कम होती है	???
....जब हम अपने पहले के अनुभव के आधार पर सामान्यीकरण कर लेते हैं	???
....जब निर्णय बहुत महत्वपूर्ण नहीं होते	???

ज़ल्दबाज़ी में निष्कर्ष पर पहुँचना

किन परिस्थितियों में हम बिना पूरा सच जाने निर्णय लेते हैं?

कब	उदाहरण
....जब सूचनाओं तक हमारी पहुँच कम होती है	नौकरी के लिए साक्षात्कार - नयी जगह और नए सहयोगियों को पहले से जानने की संभावना कम होती है.
....जब हम अपने पहले के अनुभव के आधार पर सामान्यीकरण कर लेते हैं	???
....जब निर्णय बहुत महत्वपूर्ण नहीं होते	???

ज़ल्दबाज़ी में निष्कर्ष पर पहुँचना

किन परिस्थितियों में हम बिना पूरा सच जाने निर्णय लेते हैं?


कब	उदाहरण
....जब सूचनाओं तक हमारी पहुँच कम होती है	नौकरी के लिए साक्षात्कार - नयी जगह और नए सहयोगियों को पहले से जानने की संभावना कम होती है.
....जब हम अपने पहले के अनुभव के आधार पर सामान्यीकरण कर लेते हैं	अति-सामान्यीकरण पूर्वाग्रहों को जन्म दे सकता है ("एक को देखा, सब को देख लिया")
....जब निर्णय बहुत महत्वपूर्ण नहीं होते	???

ज़ल्दबाज़ी में निष्कर्ष पर पहुँचना

किन परिस्थितियों में हम बिना पूरा सच जाने निर्णय लेते हैं?

कब	उदाहरण
....जब सूचनाओं तक हमारी पहुँच कम होती है	नौकरी के लिए साक्षात्कार - नयी जगह और नए सहयोगियों को पहले से जानने की संभावना कम होती है.
....जब हम अपने पहले के अनुभव के आधार पर सामान्यीकरण कर लेते हैं	अति-सामान्यीकरण पूर्वाग्रहों को जन्म दे सकता है ("एक को देखा, सब को देख लिया")
....जब निर्णय बहुत महत्वपूर्ण नहीं होते	कौन सा केक खरीदा जाये, मोज़े का रंग क्या हो इत्यादि.

ज़ल्दबाजी में लिए गए निर्णय के उदाहरण

प्रभाग	उदाहरण
<p data-bbox="19 414 135 471">ढोंगी</p>  <p data-bbox="19 856 444 906">कोएपेनिक के कैप्टन की मूर्ति</p>	<p data-bbox="550 414 1903 806">सन १९०६ में जर्मनी में एक छोटे से चोर, जिसका नाम वोइग था, ने स्वयं को सेना का एक बड़ा अफसर बता कर एक सैनिक टुकड़ी का कमान संभाल लिया. उसने कोएपेनिक नामक स्थान को अपने कब्जे में ले लिया, शहर के मेयर को बंदी बना लिया, शहर के कोषागार को खाली कर दिया. यह ढोंगी जो कभी भी सेना में नहीं था, सिर्फ अपने कपडे और सैनिक अफसर के चाल-ढाल के कारण दूसरों को मूर्ख बना पाया. अच्छी बात यह है की दस दिनों के बाद उसे बंदी बना लिया गया!</p>

हम यह क्यों कर रहे हैं?

१. अध्ययन यह बताते हैं की मनोविकृति से पीड़ित उनके लोग (हालाँकि सभी नहीं!) अल्प-सूचनाओं के आधार पर निर्णय बना लेते हैं. ऐसे निर्णयों में त्रुटी की सम्भावना उन निर्णयों की तुलना में अधिक होती है जिन्हें सभी उपलब्ध सूचनाओं पर अच्छे से ध्यान देकर लिया गया हो.

हम यह क्यों कर रहे हैं?

१. अध्ययन यह बताते हैं की मनोविकृति से पीड़ित अनके लोग (हालाँकि सभी नहीं!) अल्प-सूचनाओं के आधार पर निर्णय बना लेते हैं. ऐसे निर्णयों में त्रुटी की सम्भावना उन निर्णयों की तुलना में अधिक होती है जिन्हें सभी उपलब्ध सूचनाओं पर अच्छे से ध्यान देकर लिया गया हो.
२. मनोविकृति से पीड़ित अनके लोगों में (हालाँकि सभी में नहीं!) यथार्थ (रिअलिटी) के प्रत्यक्षण (देखने) में बदलाव आ जाता है. किसी चीज़ या घटना के वैसे व्याख्याओं को चुन लिया जाता है जिसे अधिकतर लोग मानने से इंकार कर दें.

ज़ल्दबाजी में निष्कर्ष किस प्रकार से मनोविकार के दौरान गलत व्याख्याओं को जन्म देता है - उदाहरण

घटना	मनोविकार के दौरान व्याख्या	वस्तुतः क्या हुआ
अस्पताल से आपके छुट्टी का दिन आगे कर दिया जाता है	आप इस बात के लिए आश्वस्त हो जाते हैं की चिकित्सक हार मान चुके हैं	अस्पताल में एक और बेड की व्यवस्था हो गयी है.
यह विचार की आप किसी योग्य नहीं हैं, आपको परेशान कर रहा है.	आप इस बात के लिए आश्वस्त हैं की यह विचार आप के घर के छत पर लगे एक एंटीना के कारण आ रहा है.	अधिकतर लोग अपने बारे में कभी-न-कभी नकारात्मक विचारों से ग्रसित हो जाते हैं.
आपके मनोचिकित्सक ने वह बात या शब्द कही जो आप बोलने वाले थे.	आपको लगता है की चिकित्सक आपके मन की बात जान जाते हैं	विचार-विमर्श जिस परिपेक्ष्य में हो रहा था उसमें इस शब्द या बात किसी के मन में आना काफी संभव था.

अभ्यास

- आगे आपको कुछ चित्र (पेंटिंग) दिखाए जायेंगे. आपको यह बताना है की उस चित्र का सही शीर्षक क्या हो सकता है तथा क्या नहीं हो सकता है.

अभ्यास

- आगे आपको कुछ चित्र (पेंटिंग) दिखाए जायेंगे. आपको यह बताना है की उस चित्र का सही शीर्षक क्या हो सकता है तथा क्या नहीं हो सकता है.

अभ्यास

- आगे आपको कुछ चित्र (पेंटिंग) दिखाए जायेंगे. आपको यह बताना है की उस चित्र का सही शीर्षक क्या हो सकता है तथा क्या नहीं हो सकता है.
- क्यों कोई शीर्षक मान्य या अमान्य है.
- आप अपने निर्णय में आश्चर्य की मात्रा को भी इंगित करें.

अभ्यास

- आगे आपको कुछ चित्र (पेंटिंग) दिखाए जायेंगे. आपको यह बताना है की उस चित्र का सही शीर्षक क्या हो सकता है तथा क्या नहीं हो सकता है.
- क्यों कोई शीर्षक मान्य या अमान्य है.
- आप अपने निर्णय में आश्चर्य की मात्रा को भी इंगित करें.
- उन तथ्यों पर खास ध्यान दें जिनसे यह साबित होता है की वह चित्र क्या नहीं हो सकता.



- a. विवाह प्रस्ताव
- b. फूल बेचने वाला
- c. शिक्षक
- d. किसी सम्बन्धी की मृत्यु की खबर



- a. विवाह प्रस्ताव (कार्ल जेवी)
- b. फूल बेचने वाला
- c. शिक्षक
- d. किसी सम्बन्धी की मृत्यु की खबर



- a. शराबी
- b. दवा बनाने वाला
- c. सन्यासी
- d. किताबी-कीड़ा



- a. शराबी
- b. दवा बनाने वाला (जोअन पिटर वॉन लैंगेर, १७५६-१८२४)
- c. सन्यासी
- d. किताबी-कीड़ा



- a. नौकर के रहने का कमरा
- b. एक गरीब कवि
- c. गरीबों के रहने का घर
- d. बारिश का दिन



- a. नौकर के रहने का कमरा
- b. एक गरीब कवि (कार्ल स्पिट्जवेग, १८३५)
- c. गरीबों के रहने का घर
- d. बारिश का दिन



- a. बदमाश बुढिया
- b. टकटकी लगाकर देखता लडका
- c. जूता चोर
- d. डांट-फटकार



- a. बदमाश बुढिया
- b. टकटकी लगाकर देखता लडका
- c. जूता चोर
- d. डांट-फटकार (फर्डिनांड ज़ेओर्जे वाल्दमुलर, १८४६)



- a. घुमने आना
- b. अध्ययन में मशगुल
- c. कवि
- d. दादा जी का पुस्तकालय



- a. घुमने आना
- b. अध्ययन में मशगुल
- c. कवि
- d. दादा जी का पुस्तकालय



- a. भूत से सामना
- b. शराबी
- c. शिकारी के साथ दुर्घटना
- d. कोई भयावह सपना



- a. भूत से सामना
- b. शराबी
- c. शिकारी के साथ दुर्घटना (कार्ल स्पिट्ज्वेग, १८३९)
- d. कोई भयावह सपना



- a. बच्चे के जन्मदिन की पार्टी
- b. चश्मा बेचने वाला
- c. कोई पढने वाला व्यक्ति
- d. आराम का एक दिन



- a. बच्चे के जन्मदिन की पार्टी
- b. चश्मा बेचने वाला
- c. कोई पढने वाला व्यक्ति
- d. आराम का एक दिन



- a. घुडसवार
- b. पार्क में सैर
- c. विधुर
- d. धिक्कारा हुआ प्रेमी



- a. घुडसवार
- b. पार्क में सैर
- c. विधुर (कार्ल स्पिट्जवेग, १८४४)
- d. धिक्कारा हुआ प्रेमी



- a. पैर साफ़ करता आदमी
- b. तारीफ करने वाला
- c. चिकित्सक
- d. पैर काटता आदमी



- a. पैर साफ़ करता आदमी
(एडगर डेगास, १८७३)
- b. तारीफ़ करने वाला
- c. चिकित्सक
- d. पैर काटता आदमी



- a. मास्टर जी
- b. खिलाडी की दौड़
- c. फल चुराते बच्चे
- d. दुष्ट आदमी



- a. मास्टर जी
- b. खिलाडी की दौड़
- c. फल चुराते बच्चे (हर्मन कॉफमन, १८४८)
- d. दुष्ट आदमी



- a. सैर करते लोग
- b. नौका का इंतजार
- c. उदास माँ
- d. घर से भागते लोग



- a. सैर करते लोग
- b. नौका का इंतजार (फिलिप लोद्विक सादी, १८३७-१९०४)
- c. उदास माँ
- d. घर से भागते लोग



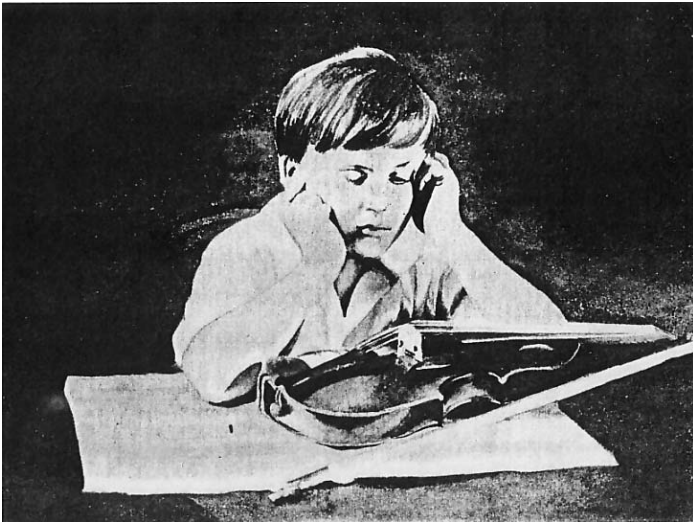
यहाँ पर क्या हो रहा है?

लड़का वायलिन बजाना पसंद नहीं करता है लेकिन उसके माता-पिता ऐसा करने के लिए बाध्य करते हैं

एक नेत्रहीन बालक वायलिन बजाने की इच्छा रखता है

लड़के ने अपने पिता के प्रिय वायलिन को तोड़ दिया है तथा उन्हें बताने से डर रहा है

लड़का एक अच्छा वायलिनवादक है तथा आने वाले संगीत समारोह से पहले अपना ध्यान केन्द्रित कर रहा है.

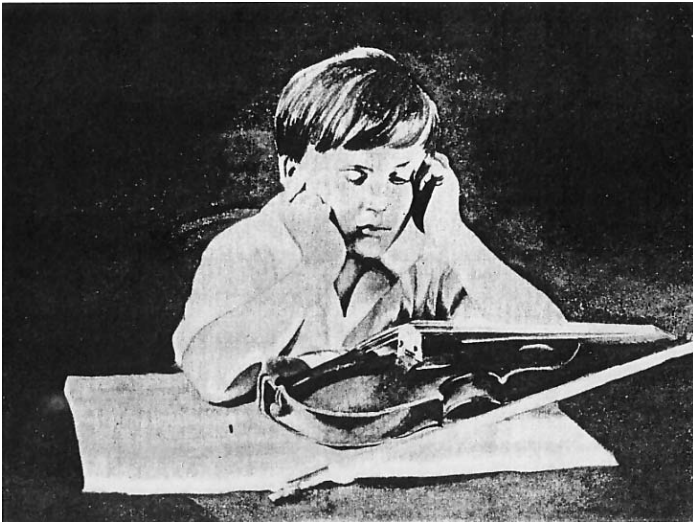


लड़का वायलिन बजाना पसंद नहीं करता है लेकिन उसके माता-पिता ऐसा करने के लिए बाध्य करते हैं

एक नेत्रहीन बालक वायलिन बजाने की इच्छा रखता है

लड़के ने अपने पिता के प्रिय वायलिन को तोड़ दिया है तथा उन्हें बताने से डर रहा है

लड़का एक अच्छा वायलिनवादक है तथा आने वाले संगीत समारोह से पहले अपना ध्यान केन्द्रित कर रहा है.





- a. प्रेम-पत्र देता लड़का
- b. दुष्ट पड़ोसी
- c. घर बदलते लोग
- d. ऊँचाई नापता आदमी



- a. प्रेम-पत्र देता लड़का (कार्ल स्पिट्जवेग, १८६०)
- b. दुष्ट पड़ोसी
- c. घर बदलते लोग
- d. ऊँचाई नापता आदमी



- a. हत्या का गवाह
- b. नाटक
- c. सिनेमा घर में
- d. भागती दुल्हन



- a. हत्या का गवाह
- b. नाटक (दौमिएर ओनोर, १८३१/३२)
- c. सिनेमा घर में
- d. भागती दुल्हन

दैनिक जीवन में स्थानांतरण

सीखने के उद्देश्य:

- जब निर्णय महत्वपूर्ण या अति-महत्वपूर्ण होते हैं तो ज़ल्दबाजी में निर्णय न लेकर सभी प्रासंगिक सूचनाओं पर ध्यान दें (बाद में पछताने की अपेक्षा सुरक्षित रहना बेहतर है)

दैनिक जीवन में स्थानांतरण

सीखने के उद्देश्य:

- जब निर्णय महत्वपूर्ण या अति-महत्वपूर्ण होते हैं तो ज़ल्दबाजी में निर्णय न लेकर सभी प्रासंगिक सूचनाओं पर ध्यान दें (बाद में पछताने की अपेक्षा सुरक्षित रहना बेहतर है)
- उदाहरण - एक आदमी हकला रहा है "क्या वह नशे में है"

दैनिक जीवन में स्थानांतरण

सीखने के उद्देश्य:

- जब निर्णय महत्वपूर्ण या अति-महत्वपूर्ण होते हैं तो जल्दबाजी में निर्णय न लेकर सभी प्रासंगिक सूचनाओं पर ध्यान दें (बाद में पछताने की अपेक्षा सुरक्षित रहना बेहतर है)
- उदाहरण - एक आदमी हकला रहा है "क्या वह नशे में है"
- उसे ध्यान से देखें - क्या वह शराब की दुकान से आ रहा है? क्या उसके मुंह से शराब की गंध आ रही है?

आदमी को बोलने में परेशानी हो सकती है, शायद ऐसा पक्षाघात के कारण हुआ हो.

दैनिक जीवन में स्थानांतरण

सीखने के उद्देश्य:

- जब निर्णय महत्वपूर्ण या अति-महत्वपूर्ण होते हैं तो ज़ल्दबाजी में निर्णय न लेकर सभी प्रासंगिक सूचनाओं पर ध्यान दें (बाद में पछताने की अपेक्षा सुरक्षित रहना बेहतर है)
- उदाहरण - एक आदमी हकला रहा है "क्या वह नशे में है"
- उसे ध्यान से देखें - क्या वह शराब की दुकान से आ रहा है? क्या उसके मुंह से शराब की गंध आ रही है?
आदमी को बोलने में परेशानी हो सकती है, शायद ऐसा पक्षाघात के कारण हुआ हो.
- यद् रखिये ज़ल्दबाजी में निर्णय लेने में गलतियाँ हो सकती हैं

दैनिक जीवन में स्थानांतरण

सीखने के उद्देश्य:

- जब निर्णय महत्वपूर्ण या अति-महत्वपूर्ण होते हैं तो ज़ल्दबाजी में निर्णय न लेकर सभी प्रासंगिक सूचनाओं पर ध्यान दें (बाद में पछताने की अपेक्षा सुरक्षित रहना बेहतर है)
- उदाहरण - एक आदमी हकला रहा है "क्या वह नशे में है"
- उसे ध्यान से देखें - क्या वह शराब की दुकान से आ रहा है? क्या उसके मुंह से शराब की गंध आ रही है?
आदमी को बोलने में परेशानी हो सकती है, शायद ऐसा पक्षाघात के कारण हुआ हो.
- यद् रखिये ज़ल्दबाजी में निर्णय लेने में गलतियाँ हो सकती हैं
- कम महत्वपूर्ण चीजों के लिए हमें ज्यादा सोचने की ज़रूरत नहीं है (उदाहरण के लिए आज कौन सा कपडा पहनना है)

दैनिक जीवन में स्थानांतरण

सीखने के उद्देश्य:

- जब निर्णय महत्वपूर्ण या अति-महत्वपूर्ण होते हैं तो ज़ल्दबाजी में निर्णय न लेकर सभी प्रासंगिक सूचनाओं पर ध्यान दें (बाद में पछताने की अपेक्षा सुरक्षित रहना बेहतर है)
- उदाहरण - एक आदमी हकला रहा है "क्या वह नशे में है"
- उसे ध्यान से देखें - क्या वह शराब की दुकान से आ रहा है? क्या उसके मुंह से शराब की गंध आ रही है?
आदमी को बोलने में परेशानी हो सकती है, शायद ऐसा पक्षाघात के कारण हुआ हो.
- यद् रखिये ज़ल्दबाजी में निर्णय लेने में गलतियाँ हो सकती हैं
- कम महत्वपूर्ण चीजों के लिए हमें ज्यादा सोचने की ज़रूरत नहीं है (उदाहरण के लिए आज कौन सा कपडा पहनना है)
- इस सम्भावना के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए की हमसे गलतियाँ हो सकती हैं.

इसका मानसिक रोग से क्या सम्बन्ध है

बहुत से लोग (पर सभी नहीं!) जब मानसिक रोग से ग्रसित होते हैं तो उनकी जल्दबाजी में निर्णय लेने की प्रवृत्ति बढ़ जाती है. ऐसा तब और भी होता है जब व्यक्ति दवाब में हो.

इसका मानसिक रोग से क्या सम्बन्ध है

बहुत से लोग (पर सभी नहीं!) जब मानसिक रोग से ग्रसित होते हैं तो उनकी जल्दबाजी में निर्णय लेने की प्रवृत्ति बढ़ जाती है. ऐसा तब और भी होता है जब व्यक्ति दवाब में हो.

उदाहरण - राहुल अपनी कार चलाकर विश्वविद्यालय जाना चाहता है, लेकिन उसे चाभी नहीं मिलती. वह सोचता है की उसे कैम्पस में गाडी चलाने से रोकने के लिए देखभाल करने वाले व्यक्ति ने उसकी चाभी चुरा ली है.

पृष्ठभूमि - वह यह मानता है की लोग उसे विश्वविद्यालय से निकालना चाहते हैं.

लेकिन - देखभाल करने वाला व्यक्ति चाभी चुराकर विश्वविद्यालय से क्यों और कैसे निकल पायेगा. उसके हाथ में उसकी चाभी कैसे आएगी.

इसका मानसिक रोग से क्या सम्बन्ध है

बहुत से लोग (पर सभी नहीं!) जब मानसिक रोग से ग्रसित होते हैं तो उनकी जल्दबाजी में निर्णय लेने की प्रवृत्ति बढ़ जाती है. ऐसा तब और भी होता है जब व्यक्ति दवाब में हो.

उदाहरण - राहुल अपनी कार चलाकर विश्वविद्यालय जाना चाहता है, लेकिन उसे चाभी नहीं मिलती. वह सोचता है की उसे कैम्पस में गाडी चलाने से रोकने के लिए देखभाल करने वाले व्यक्ति ने उसकी चाभी चुरा ली है.

पृष्ठभूमि - वह यह मानता है की लोग उसे विश्वविद्यालय से निकालना चाहते हैं.

लेकिन - देखभाल करने वाला व्यक्ति चाभी चुराकर विश्वविद्यालय से क्यों और कैसे निकल पायेगा. उसके हाथ में उसकी चाभी कैसे आएगी.

किसी पर गंभीर आरोप लगाने से पहले विभिन्न श्रोतों से आप जितना अधिक से अधिक सूचना ग्रहण कर सकते हैं कर लें तथा उनकी हरसंभव व्याख्या पर खुद भी ध्यान दें तथा आप जिन लोगों पर विश्वास करते हैं उनसे भी विचार-विमर्श करें.

ध्यान देने के लिए धन्यवाद!

Pictures used in this module are reproduced with indirect (creative commons license) or direct permission of the artists listed below, for which we would like to express our gratitude! A full list can be obtained via www.uke.de/mkt. If we have involuntarily breached copyright, please accept our apologies. In this case, we kindly ask creators for their permission to use their work under the "fair use" policy.

Die in diesem Modul verwendeten Bilder wurden mit der indirekten (creative commons Lizenz) oder direkten Zustimmung der untenstehenden Künstler reproduziert, wofür wir uns herzlich bedanken möchten! Eine vollständige Liste ist hinterlegt auf www.uke.de/mkt. Sollten wir unbeabsichtigt gegen das Urheberrecht verstoßen haben, so bitten wir dies vielmals zu entschuldigen und bitten nachträglich um die Verwendungserlaubnis.

Name Photographer/Artist Name Fotograf/Künstler/	Source/ Quelle	Picture Name/ Name des Bildes	CC = used with corresponding creative commons license; PP = used with personal permission of artist CC = genutzt unter creative commons Lizenz, PP = verwendet mit persönlicher Zustimmung des Künstlers	Description/Kurzbeschreibung
Gertrud K.	flickr	Der Hauptmann von Köpenick	CC	The captain of Koepenick/Hauptmann von Köpenick
miss_blackbutterfly	flickr	"One thousand Americans stop smoking every day - by dying. They say Nicotine patches are great. Stick one over each eye and you can't find your cigarettes."	CC	Marlboro cigarette boxes/Marlboro Zigarettschachteln

All reproduced paintings are in the public domain because their copyright has expired (all artists died more than 70years ago).

Alle abgebildeten Kunstwerke sind gemeinfrei („public domain“), da die Schutzfrist des Urheberrechts unseres Wissens abgelaufen ist („public domain“; alle Künstler verstarben vor mindestens 70 Jahren). Alle Reproduktionen gelten ebenfalls als gemeinfrei.

Mit freundlicher Unterstützung der Janssen-Cilag GmbH*
With kind support of Janssen-Cilag



* 4000 € für die Verbesserung und Verbreitung des Trainings
4000 € for the improvement and distribution of the training